# P-1098

Total Pages : 3 Roll No. .....

# DVS-101

## वास्तुशास्त्र का परिचय व स्वरूप

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

1st Year Examination, 2023 (June)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 100**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### ( खण्ड-क )

### ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. वास्तुशास्त्र के उद्‌गम एवं विकास का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. षडवेदांगों का परिचय दीजिए।

3. वास्तुशास्त्र के प्रयोजन एवं उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

4. आकृति के आधार पर भूमि के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

5. वास्तुशास्त्र के परवर्ती आचार्य कौन-कौन से हैं? प्रकाश डालिए।

## ( खण्ड-ख )

## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. पृथ्वी तत्व के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. दिक्साधन विधि का वर्णन करें।

3. राशियों के अनुसार ग्रामवास का विचार स्पष्ट कीजिए।

4. भूमि परीक्षण कैसे किया जाता है?

5. भूमि के शुभाशुभ लक्षणों का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

6. भूखंड का प्लव किन दिशाओं में शुभ होता है? वर्णन करें।

7. आवासीय वस्तु के स्वरूप को समझाइए।

8. एकाशीति पदवास्तु का परिचय दीजिए।

---